

CLASS : 12th (Sr. Secondary)

3686/3636

Series : SS-M/2018

Total No. of Printed Pages : 4

**MARKING INSTRUCTIONS AND MODEL ANSWERS
OFFICE SECRETARYSHIP AND STENOGRAPHY IN
HINDI**

ACADEMIC/OPEN

(Only for Fresh/Re-appear Candidates)

उप-परीक्षक मूल्यांकन निर्देशों का ध्यानपूर्वक अवलोकन करके उत्तर-पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करें। यदि परीक्षार्थी ने प्रश्न पूर्ण व सही हल किया है तो उसके पूर्ण अंक दें।

General Instructions :

- (i) Examiners are advised to go through the general as well as specific instructions before taking up evaluation of the answer-books.
- (ii) Instructions given in the marking scheme are to be followed strictly so that there may be uniformity in evaluation.
- (iii) Mistakes in the answers are to be underlined or encircled.
- (iv) Examiners need not hesitate in awarding full marks to the examinee if the answer/s is/are absolutely correct.
- (v) Examiners are requested to ensure that every answer is seriously and honestly gone through before it is awarded mark/s. It will ensure the authenticity as their evaluation and enhance the reputation of the Institution.

3686/3636

P. T. O.

- (vi) A question having parts is to be evaluated and awarded partwise.
- (vii) If an examinee writes an acceptable answer which is not given in the marking scheme, he or she may be awarded marks only after consultation with the head-examiner.
- (viii) If an examinee attempts an extra question, that answer deserving higher award should be retained and the other scored out.
- (ix) Word limit wherever prescribed, if violated upto 10%. On both sides, may be ignored. If the violation exceeds 10%, 1 mark may be deducted.
- (x) Head-examiners will approve the standard of marking of the examiners under them only after ensuring the non-violation of the instructions given in the marking scheme.
- (xi) Head-examiners and examiners are once again requested and advised to ensure the authenticity of their evaluation by going through the answers seriously, sincerely and honestly. The advice, if not heeded to, will bring a bad name to them and the Institution.

महत्त्वपूर्ण निर्देश :

- (i) अंक-योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है। अंक-योजना में दिए गए उत्तर-बिन्दु अंतिम नहीं हैं। ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं। यदि परीक्षार्थी ने इनसे भिन्न, किन्तु उपयुक्त उत्तर दिए हैं, तो उसे उपयुक्त अंक दिए जाएँ।
- (ii) शुद्ध, सार्थक एवं सटीक उत्तरों को यथायोग्य अधिमान दिए जाएँ।

- (iii) परीक्षार्थी द्वारा अपेक्षा के अनुरूप सही उत्तर लिखने पर उसे पूर्णांक दिए जाएँ।
- (iv) वर्तनीगत अशुद्धियों एवं विषयांतर की स्थिति में अधिक अंक देकर प्रोत्साहित न करें।
- (v) भाषा-क्षमता एवं अभिव्यक्ति-कौशल पर ध्यान दिया जाए।
- (vi) मुख्य-परीक्षकों/उप-परीक्षकों को उत्तर-पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करने के लिए केवल Marking Instructions/Guidelines दी जा रही है, यदि मूल्यांकन निर्देश में किसी प्रकार की त्रुटि हो, प्रश्न का उत्तर स्पष्ट न हो, मूल्यांकन निर्देश में दिए गए उत्तर से अलग कोई और भी उत्तर सही हो तो परीक्षक, मुख्य-परीक्षक से विचार-विमर्श करके उस प्रश्न का मूल्यांकन अपने विवेक अनुसार करें।

खण्ड - अ

खण्ड - अ में 7 प्रश्न 22 अंकों के हैं। सभी प्रश्नों के अंक उनके सामने लिखे गए हैं। यदि प्रश्न का उत्तर सही है तो पूरे अंक प्रदान किए जाएँ यदि उत्तर गलत है। तो कोई भी अंक प्रदान न किया जाए। यदि प्रश्न का उत्तर आंशिक सही है तो सहीपन के आधार पर ही अंक प्रदान किए जाएँ। अंक भिन्नो में भी प्रदान किए जा सकते हैं। उत्तर की सहीपन के अनुपात में, परन्तु अन्त में कुल जोड़ के समय भिन्न को अगले अंक में बदल दिया जाए।

खण्ड - ब

खण्ड - ब में 7 प्रश्न 22 अंकों के हैं। सभी प्रश्नों के अंक उनके सामने लिखे गए हैं। यदि प्रश्न का उत्तर सही है तो पूरे अंक प्रदान किए जाएँ यदि उत्तर गलत हैं तो कोई भी अंक प्रदान

न किया जाए। यदि प्रश्न का उत्तर आंशिक सही है तो सहीपन के आधार पर ही अंक प्रदान किए जाएँ। उत्तर की सहीपन के आधार पर एवं अनुपात में अंक भिन्नो में भी प्रदान किए जा सकते हैं। परन्तु कुल जोड़ में भिन्न को अगले अंक में बदल दिया जाए।

खण्ड - स

खण्ड - स में 4 प्रश्न 16 अंकों के हैं। प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिए गए हैं यदि प्रश्न का उत्तर सही है। तो पूरे अंक प्रदान किए जाएँ यदि उत्तर गलत है तो कोई भी अंक प्रदान न किया जाए। यदि प्रश्न का उत्तर आंशिक सही है तो सहीपन के आधार पर ही अंक प्रदान किए जाएँ। उत्तर के सहीपन के अनुपात में अंक भिन्नो में भी प्रदान किए जा सकते हैं परन्तु अन्त में कुल जोड़ के समय भिन्न को अगले अंक में बदल दिया जाए।

